सांध्य दैनिक 4PM

कठिन समय में भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए और विपत्ति को अवसर में बदलिए।
-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 165 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 जुलाई, 2024

भारतीय महिलाओं ने पाकिस्तान को... 7 | चुनावी हार के साइड इफेक्ट से... 3 | भाजपा के लोग सान्मुखी हैं... 2

केजरीवाल की डाइट को लेकर आप और एलजी में खिचीं तलवारें

सीएम को मारने की साजिश रच रही बीजेपी : आतिशी

» एलजी ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी, आप नेताओं ने उपराज्यपाल को घेरा

» जेल में जानबूझकर कम कैलोरी वाली डाइट ले रहे सीएम : एलजी

» चिट्ठी में लिखी है पूरी डाइट हिस्ट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी की योगी सरकार के फैसले के बाद मचा बवाल अभी थमा भी नहीं था कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि व दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की डाइट पर लिखी गई चिट्ठी के बाद राजधानी के सियासी गलियारें में भूचाल आ गया है। बयान इतना विवादास्पद हो गया कि दिल्ली में एक बार फिर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के बीच तलवारें तन गई हैं।

दरअसल, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार को चिट्ठी लिखी है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल जेल में डाइट का पालन नहीं कर रहे हैं और ना ही दवाइयां ले रहे हैं। वहीं, आप ने कहा है कि अगर एलजी को बीमारी के बारे में मालूम नहीं है तो उन्हें ऐसी चिट्ठी नहीं लिखनी चाहिए। बता दें हाल ही में आम आदमी पार्टी के नेताओं सांसदों और मंत्रियों ने दिल्ली के सीएम की तबीयत को लेकर जेल प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए थे। बाद में प्रशासन ने इसका जवाब भी दिया था। दिल्ली के मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी में एलजी ने कहा है, सचिवालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री की हेल्थ स्टेटस रिपोर्ट मिली है। इसमें बताया गया है कि केजरीवाल की तरफ से कई मौकों पर जानबूझकर लो कैलोरी वाला खाना खाया जा रहा है, जबकि उन्हें घर का पका हुआ खाना मिल रहा है। डाइट मॉनिटरिंग चार्ट को देखने से मालूम चलता है कि केजरीवाल ने 6 जून से 13 जुलाई के बीच तीनों टाइम बताई गई डाइट नहीं ली। चिट्ठी में लिखा गया, रिपोर्ट बताती है कि केजरीवाल का वजन घटा है, जो कम कैलोरी लेने की वजह से हुआ मालूम पड़ता है।

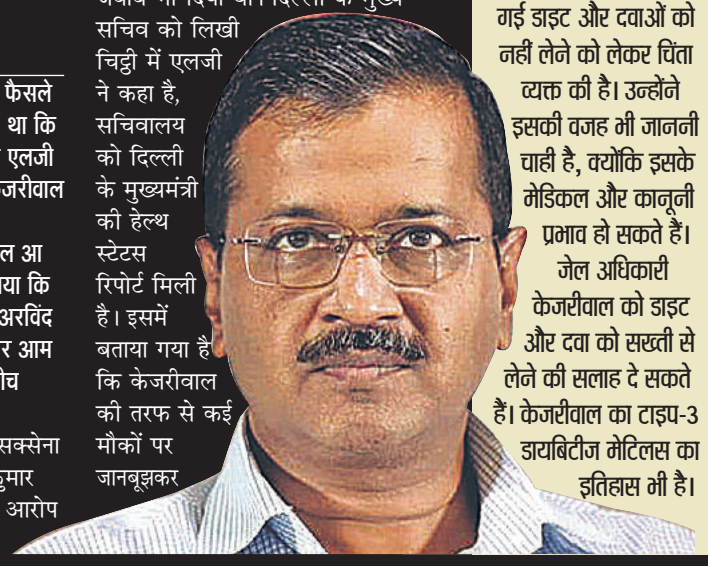

सीएम के दवा न लेने पर एलजी चिंतित

एलजी ने अपनी चिट्ठी में आगे लिखा है, उपराज्यपाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के जरिए बताई गई डाइट और दवाओं को नहीं लेने को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इसकी वजह भी जाननी चाही है, क्योंकि इसके मेडिकल और कानूनी प्रभाव हो सकते हैं। जेल अधिकारी केजरीवाल को डाइट और दवा को सख्ती से लेने की सलाह दे सकते हैं। केजरीवाल का टाइप-3 डायबिटीज मेलिटस का इतिहास भी है।

स्ट्रोक या ब्रेन डैमेज होगा तो कौन होगा जिम्मेदार : आतिशी

दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने केजरीवाल की सेहत को लेकर बीजेपी पर ही निशाना साध दिया। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि बीजेपी केजरीवाल को मारने की साजिश रच रही है। दिल्ली सीएम का शुगर लेवल 8 से ज्यादा बार 50 से नीचे आया है। आतिशी ने डर जताते हुए कहा कि केजरीवाल के कोमा में जाने का खतरा है। ऐसी स्थिति में ब्रेन स्ट्रोक का भी खतरा हो सकता है। अगर अरविंद केजरीवाल को स्ट्रोक आ जाता है या ब्रेन डैमेज हो जाता है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?

जिस दिन ईडी ने केजरीवाल जी को गिरफ्तार किया था, तब उनका वजन 70 किलो था और आज उनका वजन 61.5 केजी है। अचानक से इतना वजन गिरना खतरनाक बीमारियों का संकेत भी होता है। आज जेल में अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है और अगर उन्हें कुछ भी हो जाता है तो बीजेपी को भगवान भी माफ नहीं करेंगे।

जब बीमारी मालूम नहीं तो एलजी की चिट्ठी मजाक : संजय सिंह

उपराज्यपाल की चिट्ठी को लेकर आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी उन पर हमलावर हो गए। उन्होंने कहा कि जब एलजी को केजरीवाल की बीमारी के मालूम नहीं है तो फिर उन्हें ऐसी चिट्ठी नहीं लिखनी चाहिए, संजय सिंह ने एक्स पर लिखा, ये क्या मजाक कर रहे हैं एलजी साहब? क्या कोई आदमी खुद ही रात में शुगर कम करेगा, जो की बहुत खतरनाक है, एलजी साहब बीमारी के बारे में पता नहीं तो आपको ऐसा लेटर नहीं लिखना चाहिए, ईश्वर ना करें कभी आप के साथ ऐसा समय आए।

सोनीपत के कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार गिरफ्तार

» ईडी का बड़ा एक्शन, अवैध खनन का है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनीपत। सोनीपत जिले से कांग्रेस के विधायक सुरेंद्र पंवार को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी देर रात हुई है। जो जानकारी सामने आ रही है, उसके मुताबिक ईडी की टीम विधायक को अंबाला ले जा रही है। पिछले दिनों अवैध खनन से जुड़े मामले में सुरेंद्र पंवार, यमुनानगर में पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के यहां पर छापेमारी की गई थी। इसके बाद ईडी पंवार के घर से कई दस्तावेज लेकर गई थी, इसी मामले में गिरफ्तारी बताई जा रही है।

सेक्टर 15 स्थित विधायक की कोठी के सामने सन्नाटा पसरा है। रोजाना की तरह फरियादियों का जमावड़ा नहीं है। सीआईडी ने भी अधिकारियों को गिरफ्तारी की सूचना दी है। सोनीपत के विधायक सुरेंद्र पंवार के खिलाफ अवैध खनन मामले में ईडी ने शिकंजा कसा हुआ है।

कांग्रेस नेता ने अवैध खनन के विरुद्ध उठाया था आवाज

सुरेंद्र पंवार विधानसभा की लेखा समिति के साथ 21 जून को अवैध खनन की जांच के लिए यमुनानगर खनन क्षेत्र का दौरा करने आए थे। उन्होंने अवैध खनन के विरुद्ध आवाज बुलंद करने के साथ ही अधिकारियों की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा करते हुए काफी खिंचाई कर गए थे।

सुप्रीम आदेश के बाद दोबारा घोषित हुआ नीट-यूजी का रिजल्ट

» एनटीए ने वेबसाइट पर लोड की स्कोर कार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनटीए ने 18 जुलाई को नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मिले निर्देशों के बाद आज, 20 जुलाई को नीट के उम्मीदवारों का रिजल्ट दोबारा घोषित किया है। उम्मीदवार आधिकारक वेबसाइट पर जाकर exams.nta.ac.in/NEET/ पर जाकर अपना संशोधित स्कोर कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को नीट का रिजल्ट शहर और केंद्र वाइज फिर से जारी करने का निर्देश दिया था। इसके लिए शीर्ष न्यायालय ने केंद्र को आज, 20 जुलाई दोपहर तक का समय दिया था। रिजल्ट देखने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट https://exams.nta.ac.in/NEET/ / पर जाना होगा। 18 जुलाई को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को छात्रों की पहचान की गोपनीयता बनाए रखते हुए परिणाम जारी करने का निर्देश दिया था।

22 जुलाई को अंतिम फैसला आने की उम्मीद

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परीक्षा रद्द करने, पुनः परीक्षा कराने तथा कदाचार के आरोपों की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं की समीक्षा के बाद 22 जुलाई को अपना अंतिम फैसला सुनाए जाने की उम्मीद है।

जल्द शुरू होगी काउंसलिंग

नीट मामले पर 18 जुलाई की सुनवाई से पहले केंद्र ने कहा था कि नीट यूजी काउंसलिंग की प्रक्रिया (नीट-यूजी-2024 काउंसलिंग डेट) जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू हो सकती है, जोकि 4 राउंड में आयोजित होगी।

भाजपा के लोग सत्तान्मुखी हैं सेवान्मुखी नहीं : अखिलेश

» बोले- सबसे बड़ा जनता का कल्याण होता है,भाजपा पर सपा प्रमुख का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग सत्ता और पद के लोभ में होते हैं वो सरकार व संगठन में श्रेष्ठता के झगड़े में उलझे रहते हैं। लोकतंत्र में तो जनसेवा ही साध्य होती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग सत्तान्मुखी हैं, सेवान्मुखी नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता का कल्याण ही सबसे बढ़कर है और एक मात्र उद्देश्य है। उन्होंने एक्स पर कहा कि न संगठन बड़ा होता है, न सरकार। सबसे बड़ा होता है जनता का कल्याण।

दरअसल संगठन और सरकार तो बस साधन होते हैं, लोकतंत्र में साध्य तो जनसेवा ही होती है। जो साधन की श्रेष्ठता के झगड़े में उलझे हैं, वो सत्ता और पद के भोग के लालच में है, उन्हें जनता की कोई परवाह ही नहीं है। बता दें कि लखनऊ में बीते दिनों हुई भाजपा कार्यसमिति की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बयान दिया था कि संगठन सरकार से बड़ा होता है। उनके बयान के बाद भाजपा में उथलपुथल शुरू हो गई थी जिसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उप मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को दिल्ली बुलाकर बात की थी।

मानसून ऑफर को 2027 में 47 पर समेट देंगे : केशव

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा एक डूबता हुआ जहाज है और समाप्त होने वाला दल है जिसका भविष्य और वर्तमान खतरे में है। उन्होंने कहा कि मानसून ऑफर को 2027 में 47 पर समेट देंगे। एक डूबता जहाज और समाप्त होने वाला दल जिसका वर्तमान और भविष्य खतरे में है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख सकता है परंतु पूर्ण नहीं हो सकता। 2027 में 2017 दोहरायेंगे, फिर कमल की सरकार बनायेंगे।

लाल बिहारी यादव विप में बन सकते हैं नेता प्रतिपक्ष

विधान परिषद में लाल बिहारी यादव का नेता प्रतिपक्ष बनना लगभग तय हो चुका है। सपा सूत्रों के मुताबिक उनके नाम पर उच्चस्तर पर सहमति बन चुकी है। वहीं, विधानसभा में इस पद पर पार्टी शिवपाल यादव पर दांव नहीं लगाएगी।

विधानसभा में इस पद पर विधायक रामअचल राजभर और इंद्रजीत सरोज का नाम आगे चल रहा है। विधान परिषद में सपा दल के नेता लाल बिहारी यादव हैं लेकिन अभी तक सपा के पास नेता प्रतिपक्ष के लायक सदस्य संख्या नहीं थी। पांच मई को रिक्त हुए 13 पदों के चुनाव में सपा को तीन सीटें मिलीं। अब विधान परिषद में उसकी कुल सदस्य संख्या 10 हो गई है, जो नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए आवश्यक सदस्य संख्या के बराबर है।

सपा सूत्रों के मुताबिक लाल बिहारी यादव पहले से सपा दल के नेता हैं और उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा पाने के लिए वे कोर्ट में भी गए हैं। इसलिए पार्टी ने यह जिम्मेदारी उन्हें को ही देने का फैसला किया है। उधर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद यहां से इस्तीफा दे दिया है। बताते हैं कि कुछ विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री व अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बनाने की पैरवी कर रहे हैं। जबकि सपा नेतृत्व का मानना है कि दो साल बाद विधानसभा चुनाव होने हैं।

असंवैधानिक आदेश को वापस ले सरकार: मायावती

» बोलीं- धर्म विशेष के लोगों को आर्थिक तौर पर बायकॉट करने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के मार्ग के व्यापारियों का नाम दुकानों पर लिखने के आदेश को पूरी तरह असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह धर्म विशेष के लोगों को आर्थिक तौर पर बायकाट करने का प्रयास है। जो कि अतिनिंदनीय है।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि यूपी व उत्तराखण्ड सरकार द्वारा कावंड़ मार्ग के व्यापारियों को अपनी-अपनी दुकानों पर मालिक व स्टाफ का पूरा नाम प्रमुखता से लिखने व मांस बिक्री पर भी रोक का यह चुनावी लाभ हेतु आदेश पूर्णत: असंवैधानिक है। धर्म विशेष के लोगों का इस प्रकार से आर्थिक बायकाट करने का प्रयास अति-निन्दनीय है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूरे यूपी में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों पर संचालकों-मालिकों का नाम और पहचान बतानी होगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके अलावा हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई होगी। सरकार के इस आदेश पर देश भर में कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है।

सीएम योगी का आदेश रोजगार खत्म कर देने वाला : संजय सिंह

कांवड़ यात्री जिस रास्ते से गुजरेंगे वहां के दुकानदारों को नेम प्लेट लगाना अनिवार्य होगा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस आदेश को आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने दलितों, पिछड़ों आदिवासियों और अल्पसंख्यकों से नफरत और रोजगार खत्म कर देने वाला फरमान बताया है। सांसद संजय सिंह ने भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आड़े हाथों लेते हुए कहा वाल्मीकि समाज, जाटव समाज और दलित समाज के लोगों को भाजपा के नेता अपने पास नहीं बैठने देते, मंदिर में प्रवेश नहीं करने देते, अखिलेश यादव के मंदिर प्रवेश करने के बाद मंदिर को गंगाजल से धुलवाते हैं। अवधेश पासी के अयोध्या से जीतने पर उनको गालियां देते है। भाजपा नेता आदिवासी के सिर पर पेशाब करता है। भाजपा राज में दलित को घोड़ी पर नहीं चढ़ने दिया जाता। हाथरस कांड हुआ। ऐसी घटनाओं के बाद क्या लगता है कि भाजपा के लोग दलितों-पिछड़ों की दुकान का सामान खरीदेंगे। नेम प्लेट देखकर दलित पिछड़ा दुकानदार के यहां का खाने का सामान खरीदेंगे। संजय सिंह ने कहा कि यह फरमान चुनावी हार की हताशा है। भाजपा दलितों-पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का रोजगार खत्म कर देना चाहती है इसलिए ये फरमान लागू हुआ है। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि खाड़ी देशों से आए हुए तेल का इस्तेमाल डीजे में कावड़ यात्री और पुलिस वाले करते हैं क्या इस तेल को भी देश में भाजपा बंद कर देगी। सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाले मोदी अब तक खामोश क्यों है उनका जवाब देना चाहिए।

अपनी ही सरकार पर बरसीं राज्यमंत्री सोनम, दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश में स्थितियां सहज नहीं दिख रही हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद उठा सियासी तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में एक और बड़ी खबर सामने आई है।

दरअसल, राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त सोनम किन्नर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, सरकार ने अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। सोनम किन्नर ने हाल ही में राज्यपाल से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके इस्तीफे की अटकलें लगने लगी थीं। सोनम किन्नर पहले समाजवादी पार्टी में थीं। सपा छोड़कर वह भाजपा में शामिल हुई थीं।

स्वामी प्रसाद मौर्य व उनकी बेटी संघमित्रा मौर्य फरार घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी बेटी पूर्व सांसद संघमित्रा मौर्य को एमपीएमएलए कोर्ट ने फरार घोषित कर दिया है। बिना तलाक लिए धोखाधड़ी करके दूसरी शादी करने की आरोपी संघमित्रा मौर्य और वादी के साथ मारपीट, गाली गलौज और जानमाल की धमकी व साजिश रचने के आरोपी स्वामी प्रसाद मौर्य, नीरज तिवारी, सूर्यप्रकाश शुक्ला व रितिक सिंह के कोर्ट में हाजिर न होने पर कोर्ट ने सभी आरोपियों को फरार घोषित किया है।

एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला

एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 अगस्त को तय की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी कोर्ट में हाजिर होने से बच रहे हैं। लिहाजा उनके खिलाफ धारा-82 की कार्यवाही की जाती है। बता दें की परिवाद में आरोप है कि परिवादी दीपक कुमार और संघमित्रा वर्ष 2016 से लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। संघमित्रा और उसके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य ने परिवादी को बताया की संघमित्रा की पूर्व शादी से तलाक हो गया है। लिहाजा परिवादी ने 3 जनवरी 2019 को संघमित्रा से उसके घर पर शादी कर लिया।

पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की होगी समयपूर्व रिहाई, राज्यपाल ने दी मंजूरी

उत्तर प्रदेश शासन ने पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की समयपूर्व रिहाई का आदेश जारी कर दिया गया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं विभाग ने प्रयागराज स्थित नैनी कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे उदयभान को रिहा करने का आदेश जारी किया है। हालांकि उनकी रिहाई तभी होगी, जब किसी अन्य वाद में उन्हें निरुद्ध रखना वांछित न हो। बता दें कि उदयभान को रिहा होने के लिए प्रयागराज के डीएम और कमिश्नर द्वारा तय की गयीं दो जमानतें और उतनी ही धनराशि का एक निजी मुचलका भरना होगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश हो रही तेज

» भागीदारी दिवस मनाएगी पार्टी, सामाजिक न्याय पर लोगों को जोड़ने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में अपनी वापसी का कोई कोर कसर कांग्रेस छोड़ना नहीं चाहती है। इसकी के तहत वह पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय से जुड़े लोगों को एकत्र रना चाहती है। इसी को मजबूती देने के लिए कांग्रेस 26 जुलाई को राष्ट्रीय भागीदारी दिवस मनाएगी। इसके तहत जातिगत जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक करने की मांग करेगी।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग और अल्पसंख्यक विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विधायकों और सांसदों के साथ ही दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के तमाम नेताओं को आमंत्रण भेजा गया है। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में होने वाले इस आयोजन में प्रदेश भर के कांग्रेस नेताओं को भी बुलाया गया है। इसी रणनीति के तहत 26 जुलाई को लखनऊ चलो का आह्वान किया गया है। इसमें एससी एसटी, ओबीसी और पिछड़ों के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा खत्म करने की मांग की जाएगी।

चुनावी हार के साइड इफेक्ट से 'बीजेपी बेदम'

» सरकार व संगठन में उभरे मतभेद » दबी जुबान से बदलाव की उठ रही मांग

» यूपी से लेकर बंगाल तक बवाल
» वरिष्ठ से लेकर छूटभैय्या नेता तक मुखर
» पश्चिम बंगाल भाजपा में भी भगदड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने फैसलों से विवाद में फंस रही बीजेपी जहां विपक्ष के निशाने पर है वहीं उसके राज्य ईकाईयों में लोकसभा चुनावों की हार के साइड इफेक्ट भी दिखाई देने लगे हैं। भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान, यूपी, महाराष्ट्र व पश्चिम बंगाल में हुआ है। इन राज्यों में बीजेपी के आपसी मनमुटाव सामने आने लगे हैं। बैठको में नेताओं के आपस में मिलने का दौर चलने लगा है। साथ ही हार की समीक्षा रिपोर्ट भी राज्य स्तर के नेता केंद्रीय आलाकमान को सौंप रहें है इन सबके बीच सरकार व संगठन के कामों पर भी निगरानी करने की बातें उठने लगी है। उत्तर प्रदेश भाजपा में चल रही उठापटक की चर्चा तो देशभर में है लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ यूपी में ही खींचतान चल रही है।

दरसअल भाजपा में अंदरूनी खींचतान बंगाल और उत्तराखंड में भी जोरदार तरीके से चल रही है जिससे पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ गयी है। हम आपको बता दें कि भाजपा की विभिन्न प्रदेश इकाइयों की कार्यसमिति की बैठकें या तो हाल में संपन्न हुई हैं या आयोजित होने वाली हैं। इन बैठकों में विभिन्न नेता अपने संबोधनों के दौरान प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। ताजा मामला पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड से सामने आया है।

लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा के खराब प्रदर्शन के कारणों पर चर्चा के लिए पार्टी की बंगाल इकाई के दो दिवसीय मंथन के दौरान कई नेताओं ने राज्य के संगठन में बदलाव और जवाबदेही तय करने की मांग की। बंगाल की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खराब प्रदर्शन के कारणों पर चर्चा के लिए पार्टी की बंगाल इकाई के दो दिवसीय मंथन के दौरान कई नेताओं ने प्रदेश के संगठन में बदलाव और जवाबदेही तय करने की मांग की। पिछले हफ्ते विधानसभा उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस से तीन सीटों पर शिकस्त मिलने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के विस्तारित सत्र का आयोजन किया गया था। हम आपको बता दें कि संसदीय चुनावों में राज्य में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद विधानसभा उपचुनाव के परिणाम भी पार्टी के लिए निराशाजनक रहे हैं। हाल में संपन्न आम चुनाव में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को 12 सीटें मिली थीं जबकि 2019 में यह आंकड़ा 18 था।

नीति आयोग की बैठक में शामिल हो सकती हैं ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्र की मोदी सरकार के बीच रिश्ते बहुत कम ही सहज नजर आया है। ममता लगातार मोदी सरकार की कड़ी आलोचक बनी हुई हैं। साथ ही साथ केंद्र की सरकार पर बंगाल से भेदभाव का भी आरोप लगाती हैं। इन सब के बीच खबर यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल हो सकती हैं। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्यों कई मौके पर वह इस बैठक से दूर ही रही हैं। साथ ही साथ इसपर सवाल भी खड़े किए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि ममता के 25 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जुलाई को नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। अधिकारी ने कहा कि बैठक में बनर्जी राज्य को केंद्रीय बकाया और ग्रामीण आवास और मनरेगा के लिए धन का मुद्दा उठा सकती हैं। अधिकारी ने बताया कि बैठक में बनर्जी राज्य के लिए बकाया केंद्रीय राशि का भुगतान करने और ग्रामीण आवास तथा मनरेगा के लिए धन राशि के भुगतान का मुद्दा उठा सकती हैं। जानकारी के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस प्रमुख नयी दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान पार्टी सांसदों और विपक्षी दल 'इंडिया' के घटक दलों के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मिल सकती हैं। नीति आयोग के शीर्ष निकाय, शासी परिषद में सभी मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। सरकार ने हाल में ही नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। नई सरकार बनने और मंत्रिपरिषद में कुछ नए मंत्रियों को जगह मिलने के बाद आयोग का पुनर्गठन किया गया है। आयोग के उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नेता जिम्मेदारी से भागने की फिराक में भी

चुनावों में हार की जिम्मेदारी लेने से नेता कैसे बच रहे हैं इसकी बानगी तब देखने को मिली जब पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मैं संगठन का कामकाज नहीं देखता। उन्होंने कहा मैं पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष का नेता हूं और ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जहां मैंने पार्टी के खिलाफ टिप्पणी की हो। दूसरी बात यह कि मैं प्रदेश इकाई के संगठनात्मक कार्यों के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं हूं। वहीं प्रदेश भाजपा प्रमुख एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, "लोकसभा चुनाव के नतीजे राज्य में पार्टी की संभावनाओं के संकेतक नहीं हो सकते।" उनका कहना है कि चुनाव जीतने में संगठनात्मक कौशल की भूमिका ज्यादा नहीं होती। उन्होंने कहा, जब कोई पार्टी जीतती है, तो हर कोई संगठनात्मक ताकत को श्रेय देता है और अगर वह हार जाती है तो हर कोई संगठनात्मक ताकत को दोष देता है। यह स्वाभाविक है। हालांकि, राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार चुनाव जीतने में संगठनात्मक ढांचे की भूमिका सिर्फ 10-25 प्रतिशत है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समय भाजपा तीन खेमों में बंटी हुई दिखाई दे रही है। एक ओर शुभेंदु अधिकारी का खेमा है तो दूसरी ओर सुकांत मजूमदार का और तीसरी ओर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष का। जब बैठक के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने सबका साथ, सबका विकास की जगह %हम उनके साथ जो हमारे साथ% वाला बयान दिया तो इससे तुरंत सुकांत मजूमदार ने असहमति जता दी। जबकि शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणी का वरिष्ठ नेता तथागत रॉय और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह ने समर्थन किया।

जल्द ही भगवा पार्टी के लोग टीएमसी से जुड़ेंगे

भाजपा की इस हालत को देखकर तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि जल्द ही भगवा पार्टी के दो सांसद ममता बनर्जी के साथ आ जायेंगे। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने दावा किया है कि भाजपा के दो सांसदों ने 21 जुलाई को आयोजित होने वाले शहीद दिवस समारोह के दौरान में तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जतायी है। कुणाल घोष ने दावा किया है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12 सांसद चुने गए हैं और उनमें से दो हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने हमसे संपर्क करके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई है। वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं और 21 जुलाई के कार्यक्रम के दौरान पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

जो आज कुर्सी पर हैं कल नहीं रहेंगे : तीरथ सिंह

उत्तराखंड की बात करें तो प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत का संबोधन काफी चर्चा में रहा। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कहा कि कि जो आज कुर्सी पर हैं कल नहीं रहेंगे। जो कल आगे थे आज पीछे बैठे हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कार्यशैली से नाराज दिख रहे तीरथ सिंह रावत ने कहा कि जब वह उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुने गए थे तब पुष्कर सिंह धामी लॉ कर रहे थे। इसलिए वह उनके संघर्ष को बखूबी जानते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने संकेतों में सब कुछ कहकर लोकसभा चुनाव में अपना टिकट कटने और दोनों उपचुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर भी कई तरह से सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व को चाहिए कि वह किसी को हम पर थोपे नहीं बल्कि सलाह मशविरा कर फैसले ले। उनकी इस बात पर खूब तालियां बजीं।

संगठन में अधिक जवाबदेही और बदलाव की आवश्यकता : सौमित्र खान

पत्रकारों से बातचीत के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता और सांसद सौमित्र खान ने राज्य संगठन में नेतृत्व परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, हमारे निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राज्य संगठन में अधिक जवाबदेही और बदलाव की आवश्यकता है। यह बदलाव जरूरी है, क्योंकि राज्य की जनता ने हमें संदेश दे दिया है। एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि निराशाजनक चुनावी नतीजों के बाद राज्य इकाई में आमूलचूल परिवर्तन की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अगर हम 2026 के विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं, तो हमें जल्द से जल्द खुद को व्यवस्थित करना होगा। राज्य इकाई में बदलाव समय की मांग है। जिन लोगों ने राज्य इकाई की ओर से निर्णय लिए हैं, उन्हें जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और पद छोड़ देना चाहिए। वहीं सौमित्र खान की भावनाओं से सहमति जताते हुए बैरकपुर लोकसभा सीट से हारने वाले पूर्व भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने भी कमियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हमें पार्टी की चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए, चाहे वे संगठनात्मक हों या अन्य, और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले उनका तेजी से समाधान करना चाहिए।

राजस्थान भाजपा में उठने लगे बगावत के स्वर

लोकसभा चुनाव के बाद राजस्थान भाजपा में जमकर उठा पटक मची हुई है जो भविष्य में आने वाले तूफान के संकेत दे रही है। राजस्थान के कृषि मंत्री डा. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने सरकारी गाड़ी व अन्य सरकारी सुविधाएं भी लौटा दी है। यहां तक की डा. किरोड़ी लाल मीणा बजट सत्र में भी विधानसभा में नहीं आने की घोषणा कर चुके हैं। डा. किरोड़ी लाल मीणा

भाजपा के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान में संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। सरकार में हो या विपक्ष में वह अपनी बात पूरी मुखरता से रखने के लिए जाने जाते हैं। डॉ. किरोडी लाल मीणा मंत्रिमंडल के गठन के वक्त से ही नाराज बताए जा रहे हैं। मंत्रिमंडल के गठन के वक्त उन्हें उनकी वरिष्ठता के अनुरूप महत्व नहीं मिला था। जिसके चलते वह अंदर खाने नाराज चल रहे थे। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया। डॉ. किरोडी लाल मीणा दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं। उसके उपरांत भी उन्होंने अपना मंत्री पद से इस्तीफा वापस नहीं लिया है। कहने को तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी कहते हैं कि किरोड़ी लाल मीणा पार्टी से नाराज नहीं है और वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में है। मगर हकीकत में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। बजट सत्र में भी विधानसभा नहीं आकर डा. किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी नाराजगी खुलकर जता दी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुप्रीम कोर्ट से जगी उम्मीद, मिलेगा न्याय

रअसल अनुच्छेद 361 में राज्यपालों को किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे से पूर्ण छूट प्रदान करने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने यह आदेश पश्चिम बंगाल राजभवन में संविदा पर कार्यरत उस महिला कर्मचारी की याचिका पर दिया है, जिसने राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस पर छेड़छाड़ करने और अधिकारियों द्वारा उसे गलत तरीके से बंधक बनाए रखने का आरोप लगाया है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर उनके कार्यालय के महिला कर्मी के शोषण के आरोप का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है। राज्यपाल को मिले विशेष अधिकारों को लेकर इस पर सुनवाई की तैयारी है। ये एक उचित कदम है। अमूमन यह देखा गया है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अपने विशेष दर्जे का लाभ उठाकर अपने बुरे कृत्य को छिपाने का प्रयास करते हैं। इससे उनके गलत इरादों के शिकार पीड़ित इंसाफ नहीं पाते और अंतत: निराश होकर आत्म हत्या जैसे कदम भी उठा लेते है। पर शीर्ष अदालत के संविधान के अनुच्छेद 361 के प्रावधानों की समीक्षा करने के लिए तैयार हो जाने न्याय की उम्मीद जगी है। दरअसल अनुच्छेद 361 में राज्यपालों को किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे से पूर्ण छूट प्रदान करने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने यह आदेश पश्चिम बंगाल राजभवन में संविदा पर कार्यरत उस महिला कर्मचारी की याचिका पर दिया है, जिसने राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस पर छेड़छाड़ करने और अधिकारियों द्वारा उसे गलत तरीके से बंधक बनाए रखने का आरोप लगाया है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की अगुआई वाली बेंच ने पश्चिम बंगाल राजभवन की महिला की याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार को भी नोटिस जारी किया और याचिकाकर्ता को केंद्र सरकार को भी पक्षकार बनाने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने इस मामले से निपटने में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से सहायता करने को कहा। महिला का नाम न्यायिक रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। महिला की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने सुनवाई की शुरुआत में कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि कोई जांच ही न हो। सबूत अभी एकत्र किए जाने चाहिए। राज्यपाल के पद छोड़ने तक इसे अनिश्चित काल के लिए टाला नहीं जा सकता। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 361 के खंड 2 के तहत राज्यपालों को दी गई छूट जांच पर रोक नहीं लगा सकती और वैसे भी, ऐसे मामलों की जांच में समय का बहुत महत्व है। पीठ ने राज्य सरकार और अन्य को नोटिस जारी करते हुए अपने आदेश में कहा, याचिका में संविधान के अनुच्छेद 361 के खंड (2) के तहत राज्यपाल को दिए गए संरक्षण के दायरे से संबंधित मुद्दा उठाया गया है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति और राज्यपालों के संरक्षण से संबंधित है। इसका खंड दो कहता है-राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान किसी भी न्यायालय में उनके विरुद्ध कोई भी आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी। महिला याचिकाकर्ता ने राज्यपालों को आपराधिक अभियोजन से छूट प्रदान करने के संबंध में विशिष्ट दिशा-निर्देश तैयार करने के निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया है। आगे जब बहस होगी तो कोई न कोई निणर्य जरूर आएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एकीकृत कमान ही तोड़ेगी आतंकवाद की रीढ़

ले. जनरल डीएस हुड्डा

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है। उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है। यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है।

आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है।' जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं। प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना। इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंतत: उसका अपना नुकसान करेंगी। यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं। दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना। हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है। सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी

अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए। तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है। जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है।

इसका हल निकालने को तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कोई एक दशक से अधिक समय में सीमा पर 'स्मार्ट बाड़' लगाने की बातें चलती रही हैं लेकिन इस पर अमल लगातार नहीं हुआ है। अंतहीन पूर्व-परीक्षणों से सटीकतम हल पाने का इंतजार करने की बजाय हमें पहले वह बाड़ चुन लेनी चाहिए जो मौजूदा वाली से अधिक कारगर हो। साथ ही, हमें सुरंगों को पकड़ने वाली तकनीक को सुधारने की जरूरत है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार आतंकियों ने सीमा रेखा के आरपार ऐसी सुरंगें बना रखी हैं। विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए। यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं। अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं। अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है। स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं।

बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं। इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है। इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए। ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे। अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे।

जलवायु बदलाव के अनुरूप हो संवेदनशील प्रबंधन

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है। केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे। रामबाड़ा, तिलवाड़ा, अगस्तमुनी, गुप्तकाशी में भारी नुकसान के साथ 4200 गांव प्रभावित हुए थे। तब 14 से 17 जून तक लगभग पूरा उत्तराखंड, नेपाल, हिमाचल अति वृष्टि के चपेट में था। वैज्ञानिकों ने इसे नार्दन फ्लैश फ्लड भी कहा था व जलवायु बदलाव की व्यापकता का प्रमाण माना था। भारी बरसात में करीब 7 किमी लम्बाई के चोराबाड़ी ग्लेशियर में 3865 मीटर ऊंचाई पर स्थित चोराबाड़ी झील, अपनी परिधि में टूट गई थी। इसके बहे भारी मलबे व अथाह जलराशि ने केदारनाथ धाम को चपेट में लिया था। चोराबाड़ी ग्लेशियर के स्रोतों से ही चोराबाड़ी झील के साथ मंदाकिनी नदी का स्रोत भी बनता है। बढ़े हिम पिघलाव व बहाव से मंदाकिनी विकराल होती गई। कहीं-कहीं इसका जल स्तर 15 मीटर तक भी चढ़ गया था।

उस आपदा से उबरने के लिये बड़े पैमाने पर काम भी हुए हैं। अब सुविधाएं इतनी जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन बीस-पच्चीस हजार यात्री वहां पहुंच रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह कि सीमित क्षेत्र में हजारों मानव कृत्यों से हीट आइलैंड्स बनने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं कि तेज धूप होती है तो झेलनी मुश्किल होती है। पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। पश्चिमोत्तर हिमालय में 1991 के बाद औसत तापमान 0.66 सेंटीग्रेड बढ़ गया है। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है व पहाड़ बर्फविहीन हो रहे हैं। अगर केदारनाथ के आसपास ऐसा होता है तो हम इसे वैश्विक कारणों से होना ही नहीं कह सकते बल्कि उनके साथ यहां स्थानीय आघात भी जुड़ रहे हैं। फरवरी, 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी।

दरअसल, पर्यटन व्यवसाय केन्द्रित पुनर्स्थापना की दिशा इतनी आगे चली गई है कि बीती 3 जून, को हेलिकॉप्टर से एक जीप केदार पुरी में उतार दी गई। दलील है इससे अशक्तों को सुविधा मिलेगी। यदि ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नहीं, जब दर्सियों ऐसे वाहन होंगे। ऐसे ही अब हर घंटे करीब 25 हेलिकॉप्टर उड़ानें हो रही हैं जिनसे केदार नाथ सेंक्चुरी भी खतरे में है। वर्ष 2015 में ही एनजीटी ने उत्तराखंड सरकार से उड़ानों के वन्यजीवों पर असर का वैज्ञानिक अध्ययन करवाने को कहा था। खासकर उड़ाने बहुत नीचे होने पर आघात बढ़ जाते हैं। वहीं पंखों की हवा से धाम में कम्पन से आसपास ग्लेशियर्स की ताजी बर्फ अस्थिर नहीं हुई होगी, इस बात से इनकार नहीं कर सकते। आशंका व्यक्त की गई थी कि हेलिकॉप्टर उड़ानों से त्रस्त दुर्लभ वन्यजीव अपने अधिवास छोड़ रहे हैं। वर्ष 2013 की आपदा से इकोसिस्टम को भी बड़ा नुकसान पहुंचा। सरकारों ने न तो इस पारिस्थितिकीय नुकसान को जाना और न ही प्रकृति को बीते ग्यारह सालों में स्वत: ठीक होने का मौका दिया।

इस दौरान अबाध निर्माण गतिविधियों व मानव उपस्थिति और तेज रोशनी में जब कपाट बंद रहते हैं तब भी निर्माण कार्य जारी रहे। इसके उलट भूस्खलन, जलस्रोत सूखने व केदारनाथ वन सेंक्चुरी जैसे जैव विविधता के क्षेत्रों में वनाग्नियों के जोखिम भी बढ़े। पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय पुनरुत्थान के बजाय इनमें गिरावट ही आई। हजारों की भीड़ से जलापूर्ति व कचरे की समस्याएं बढ़ी हैं। पारिस्थितिकीय हानि इतनी होने लगी कि पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन जोखिम हर साल बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर टूटने की ही तरह ग्लेशियर फिसल कर बस्तियों, मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान बढ़ा है। केदार धाम जैसे हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हेलिकॉप्टर उड़ानों व सूक्ष्म भूकम्पकीय झटकों से तेज बरसातों, ताजी बर्फ में फिसलाव व टूटन का खतरा तो रहेगा ही। जलवायु बदलाव के कारण ग्लेशियर्स की समस्याओं के साथ ही केदारनाथ जैसी जगहों में बादल विस्फोट बड़ी समस्या होने जा रही है। इन ग्यारह सालों में नये लैंडस्लाइड जोन बन गये हैं। फ्लैश फ्लडों से अब ज्यादा नुकसान होने की संभावनाएं हैं। उत्तराखंड सरकार को इस दिशा में नई क्षमता विकसित करनी होगी। किसी स्थल में आकस्मिक घटित आपदा की सूचना पाकर हम कितने जल्दी पीड़ितों के बचाव व खोज कार्यों के लिये वहां पहुंचते हैं। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार यदि बादल विस्फोटों की चेतावनियां दी भी जा सकें तो उन पर अमल के लिये दो-तीन घंटों का ही समय मिलता है।

मंदाकिनी और सरस्वती नदियों पर रोक दीवारें भी बन गई हैं व बगल में रास्ते भी। नदियों के बाढ़ प्रबंधन और रिटेनिंग वॉल निर्माणों में बाढ़ जल के विगत में अधिकतम ऊंचाई के स्तर और अधिकतम फैलाव को संज्ञान में रखा जाता है। यहां केदार नाथ आपदा ने यह भी दिखाया कि चोराबाड़ी झील जब अपनी परिधि तोड़ेगी तो बाढ़ का पानी किन-किन राहों से कहां-कहां तक पहुंच सकता है। अथवा मन्दाकिनी नदी आगे बाढ़ों में तटों को तोड़े तो उसकी जलराशि कितना फैलाव ले सकती है व कितना ऊपर चढ़ सकती है। यदि इन्हीं बरसाती पानी के रास्तों पर निर्माण होंगे तो जोखिम बने रहेंगे। स्थिति न बदली गयी तो भविष्य में भी जलवायु बदलाव के दौर में न तो चोराबाड़ी ग्लेशियर का पिघलाव कम होगा और न बादल विस्फोटों की संभावनाएं उत्तराखंड में कम होंगी।

पूजा विधि

आषाढ़ पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करना चाहिए। इससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके बाद सूर्यदेव को जल चढ़ाएं। फिर लक्ष्मी जी और भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा में चंदन और हल्दी का उपयोग करना शुभ होता है। इस दौरान 'ऊं नमो: भगवते वासुदेवाय नम:'के मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके बाद शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य दें। इससे जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहती है।

पूर्णिमा का स्नान-दान

गुरु पूर्णिमा के दिन ही आषाढ़ पूर्णिमा का स्नान और दान किया जाएगा। उस दिन आप ब्रह्म मुहूर्त में 04:14 एएम से 04:55 एएम के बीच स्नान कर सकते हैं। जो इस समय स्नान न कर पाएं, वे सूर्योदय के बाद कर सकते हैं। उसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार, चंद्रमा से जुड़ी वस्तुओं का दान करें। हालांकि आषाढ़ पूर्णिमा का व्रत एक दिन पहले 20 जुलाई शनिवार को रखा जाएगा। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किसी गरीब ब्राह्मण को पीले वस्त्र, हल्दी, पीतल के बर्तन, गुड़, घी, पीले चावल आदि का दान कर सकते हैं। इस दिन आप चाहें तो देव गुरु बृहस्पति की भी पूजा करने से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

गुरु का करें सम्मान

गुरु पूर्णिमा के दिन आप सुबह में स्नान और पूजा के बाद अपने गुरु के पास जाएं या फिर उनको घर पर आमंत्रित करें। उनका आदर-सत्कार करें और पैर छूकर आशीर्वाद लें। भोजन कराएं। उपहार दें। उनको सभी प्रकार से संतुष्ट करके विदा करें। गुरु पूर्णिमा के दिन यह काम करने से आपकी उन्नति होगी क्योंकि गुरु की सेवा करने से कुंडली का गुरु दोष दूर होता है। गुरु की कृपा के बिना आपको ज्ञान और मोक्ष दोनों ही प्राप्त नहीं हो सकता।

सर्वार्थ सिद्धि योग में है
गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा का पर्व आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाता है. इस साल हिंदू कैलेंडर के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के लिए जरूरी आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा की तिथि 20 जुलाई को 05:59 पीएम से प्रारंभ होकर 21 जुलाई को 03:46 पीएम पर खत्म होगी। जिस तिथि में सूर्योदय होता है, उस दिन वह तिथि मान्य होती है। आषाढ़ पूर्णिमा तिथि में सूर्योदय 21 जुलाई को सुबह 05:37 ए एम पर होगा. ऐसे में गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई रविवार को मनाई जाएगी। गुरु पूर्णिमा की सही तारीख 21 जुलाई है। इस साल गुरु पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग का प्रारंभ सुबह में 05 बजकर 37 मिनट से होगा, जो देर रात 12:14 ए एम तक बना रहेगा. शुभ योगों में सर्वार्थ सिद्धि योग की गणना की जाती है। शुभ कार्यों के लिए यह एक उत्तम योग है।

महत्व

सभी माह की पूर्णिमा में आषाढ़ पूर्णिमा को सबसे खास माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। मान्यता है कि महर्षि वेद व्यास को संसार का पहला गुरु माना जाता है। उनका हिंदू धर्म की संस्कृति में काफी खास योगदान रहा है। इस तिथि पर अपने देवी- देवताओं के साथ-साथ गुरूओं की पूजा करना बेहद शुभ होता है। इस दिन व्रत रखने के साथ-साथ कुछ खास उपाय भी किए जाते हैं, जो जीवन में सुख-समृद्धि को बढ़ाते हैं।

शुभ मुहूर्त

गुरु पूर्णिमा के दिन का शुभ मुहूर्त या अभिजीत मुहूर्त 12:00 पी एम से 12:55 पी एम तक है। विजय मुहूर्त 02:44 पी एम से 03:39 पी एम तक है, वहीं अमृत काल 06:15 पी एम से 07:45 पी एम तक है।

हंसना मना है

एक गरीब आदमी- ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी। तभी अचानक यमदूत आया और बोला- मैं तुम्हारी जान लेने आया हूं? आदमी बोला- लो, अब गरीब आदमी मजाक भी नहीं कर सकता?

सास- क्या हुआ दामाद जी? पप्पू- आपकी बेटी ने मेरा खून चूस लिया है। सास-ऐसा क्या किया मेरी बेटी ने? पप्पू- इसमें हजारों कमियां हैं। सास- मुझे पता है, बेटा तभी तो इसे अच्छा लड़का नहीं मिल पाया।

गोलू और ढोलू के बीच खाना बनाने पर हुई बहस... गोलू- आज खाना क्यों नहीं बनाया? ढोलू- गिर गया था, लग गई, गोलू - कहां गिर गया था और क्या लग गई थी? ढोलू- बेड पर गिर गया था और आंख लग गई थी।

राजू जलेबी बेचते हुए चिल्ला रहा था.... आलू ले लो भाई आलू... बच्चा- लेकिन ये तो जलेबी है, राजू- चुप हो जा! वरना सुनकर मक्खियां आ जाएंगी।

चंटू और बंटू रात को सोते हुए...चंटू- बंटू जल्दी उठ, भूकंप आ रहा है, जल्दी उठ, सारा घर हिल रहा है... बंटू - ओए, चुपचाप जाके सो जा, घर गिरेगा तो हमारा क्या जाएगा। हम तो यहां किरायेदार हैं।

कहानी | पाप का गुरु कौन?

एक पंडित जी कई वर्षों तक काशी में शास्त्रों का अध्ययन करने के बाद अपने गांव लौटे। गांव के एक किसान ने उनसे पूछा, पंडित जी आप हमें यह बताइए कि पाप का गुरु कौन है? प्रश्न सुन कर पंडित जी चकरा गए, क्योंकि भौतिक व आध्यात्मिक गुरु तो होते हैं, लेकिन पाप का भी गुरु होता है, यह उनकी समझ और अध्ययन के बाहर था। पंडित जी को लगा कि उनका अध्ययन अभी अधूरा है, इसलिए वे फिर काशी लौटे। फिर अनेक गुरुओं से मिले। एक दिन उनकी मुलाकात एक वेश्या से हो गई। उसने पंडित जी से उनकी परेशानी का कारण पूछा, तो उन्होंने अपनी समस्या बता दी। वेश्या बोली, पंडित जी..! इसका उत्तर है तो बहुत ही आसान है, लेकिन इसके लिए कुछ दिन आपको मेरे पड़ोस में रहना होगा। पंडित जी के हां कहने पर उसने अपने पास ही उनके रहने की अलग से व्यवस्था कर दी। पंडित जी किसी के हाथ का बना खाना नहीं खाते थे, इस प्रकार से कुछ दिन बड़े आराम से बीते, लेकिन सवाल का जवाब अभी नहीं मिला। एक दिन वेश्या बोली, पंडित जी! आपको बहुत तकलीफ होती है खाना बनाने में। यहां देखने वाला तो और कोई है नहीं। आप कहें तो मैं नहा-धोकर आपके लिए कुछ भोजन तैयार कर दिया करूं। आप मुझे यह सेवा का मौका दें, तो मैं दक्षिणा में पांच स्वर्ण मुद्राएं भी प्रतिदिन दूंगी। स्वर्ण मुद्रा का नाम सुन कर पंडित जी को लोभ आ गया। साथ में पका-पकाया भोजन। अर्थात दोनों हाथों में लड्डू। इस लोभ में पंडित जी अपना नियम-व्रत, आचार-विचार धर्म सब कुछ भूल गए। पंडित जी ने हामी भर दी और वेश्या से बोले, ठीक है, तुम्हारी जैसी इच्छा। लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखना कि कोई देखे नहीं तुम्हें मेरी कोठी में आते-जाते हुए। वेश्या ने पकवान बनाकर पंडित जी को परोस दिया। ज्यों ही पंडित जी खाने को तत्पर हुए, वेश्या ने उनके सामने से परोसी हुई थाली खींच ली। इस पर पंडित जी क्रोधित हो गए और बोले, यह क्या मजाक है? वेश्या ने कहा, यह मजाक नहीं है पंडित जी, यह तो आपके प्रश्न का उत्तर है। यहां आने से पहले आप भोजन तो दूर, किसी के हाथ का भी नहीं पीते थे, मगर स्वर्ण मुद्राओं के लोभ में आपने मेरे हाथ का बना खाना भी स्वीकार कर लिया। अत: यह लोभ ही पाप का गुरु है।

7 अंतर खोजें

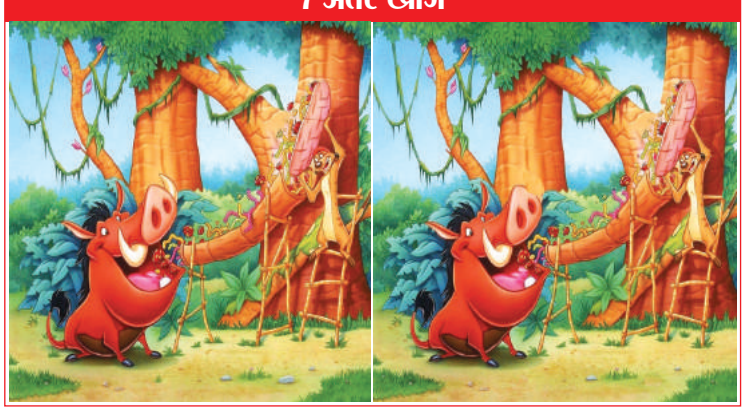

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। कुसंगति से बचें।

वृषभ

आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क

आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक

दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

मकर

व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ

सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन

आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

सरफरोश-2 में कैमियो कर सकती हैं सोनाली!

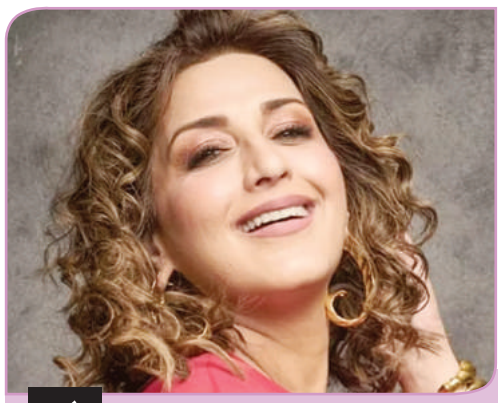

सोनाली बेंद्रे के करियर की सबसे प्रमुख फिल्मों में सरफरोश हमेशा शामिल होगी। इसी साल मई महीने की ही तो बात है, जब इस फिल्म को रिलीज हुए 25 साल पूरे हुए थे। इस खास मौके पर फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग भी हुई थी, जिसमें फिल्म के कलाकार नजर आए थे। अब सोनाली बेंद्रे ने अपनी इस खास फिल्म को लेकर कुछ बातें साझा की हैं। सोनाली बेंद्रे ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब सरफरोश ने 25 साल पूरे किए तो उन्हें अचानक बूढ़ा महसूस होने लगा था। बातचीत के दौरान उनसे सरफरोश के दूसरे भाग को लेकर भी सवाल पूछे गए। सोनाली से सवाल किया गया कि क्या वो फिल्म में कैमियो करेंगी। अपने जवाब में सोनाली जोर से हंस पड़ी और कुछ भी नहीं कहा। सोनाली से एक सवाल यह भी पूछा गया कि वो फिल्म इंडस्ट्री में किस तरह से अपनी विरासत को छोड़ना चाहती हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है कि कोई योजना बनाकर अपनी विरासत बना सकता है और यह एक ऐसी चीज है, जिस पर कोई दूसरा बातचीत करता है। सरफरोश 30 अप्रैल, 1999 को रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन जॉन मैथ्यू ने किया था और उन्होंने ही फिल्म की कहानी भी लिखी थी। इस फिल्म में आमिर खान और सोनाली बेंद्रे के साथ-साथ नसीरुद्दीन शाह ने भी अहम रोल अदा किया था। इसमें आमिर खान ने अजय सिंह राठौड़ का किरदार निभाया था, जो आतंकवादियों द्वारा अपने भाई की हत्या और पिता के घायल होने पर भारतीय पुलिस सेवा में शामिल होता है और आतंकवादियों का सफाया करने की ठानता है। सरफरोश की स्क्रीनिंग के दौरान इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाले आमिर खान ने फिल्म के सीक्वल को लेकर कहा था कि सरफरोश 2 बननी चाहिए और उन्हें भी ऐसा ही लगता है।

शाहिद कपूर को वर्दी में देख अब थर-थर कापेंगे दुश्मन

बॉलीवुड | मसाला

पिछली बार तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया जैसी अलग हटकर फिल्म करने वाले एक्टर शाहिद कपूर अब देवा में नजर आएंगे। इस फिल्म में वो पुलिस ऑफिसर के किरदार में होंगे, जिसका रफ-टफ लुक भी रिवील कर दिया गया है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी हैं, जो पत्रकार बनकर तीखे सवाल पूछती नजर आएंगी। इस धमाकेदार एक्शन थ्रिलर मूवी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। जी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स देवा फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें शाहिद कपूर लीड रोल में हैं।

'देवा' की रिलीज डेट आयी सामने

यह फिल्म वैलेंटाइन डे पर 14 फरवरी 2025 को रिलीज हो रही है। इसे जाने-माने मलयालम फिल्ममेकर रोशन एंड्रयूज ने डायरेक्ट किया है और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इसमें भरपूर एक्शन है, जो आपके रोंगटे खड़े कर देगा और जबरदस्त थ्रिलर भी है, जो दिमाग हिला देगा। इस फिल्म में जहां शाहिद कपूर एक स्मार्ट लेकिन विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, वहीं, पूजा हेगड़े एक पत्रकार की भूमिका नजर आने वाली हैं। एक हाई-प्रोफाइल मामले की जांच करता है और धोखे और विश्वासघात के जाल का पर्दाफाश करता है, जो उसे एक खतरनाक रास्ते पर ले जाता है। फिल्म में पावेल गुलाटी और कुब्रा सैत भी हैं।

साल 2003 में इश्क विश्क फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाले शाहिद को पिछली बार कृति सेनन के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और फर्जी वेब सीरीज में देखा गया था। वो ब्लडी डैडी में भी नजर आए थे।

सोनाक्षी के बाद श्रद्धा कपूर कर रहीं शादी की प्लानिंग

श्रद्धा कपूर जल्दी ही फिल्मी पर्दे पर वापसी करने वाली हैं. उनकी फिल्म स्त्री के सीक्वल स्त्री 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी समय से एक्साइटेड हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा कपूर ने फिल्म से जुड़ी कई चीजों पर बात की। साथ ही एक्ट्रेस ने पर्सनल लाइफ को लेकर भी कई खुलासे किए।

मुंबई में स्त्री 2 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर श्रद्धा कपूर के खूबसूरत अंदाज ने सबका दिल जीत लिया। इवेंट में उनसे फिल्म को लेकर कई सारे सवाल किए गए। उसी दौरान उनसे शादी को लेकर भी सवाल पूछा गया जिसने सबका ध्यान खींचा। श्रद्धा कपूर को लेकर लंबे समय से खबर आ रही थी कि वो स्क्रीनराइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। इवेंट में एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो कब शादी करने वाली है। सवाल का जवाब में सुन आप भी हैरान हो सकते हैं।

श्रद्धा कपूर स्त्री 2 के ट्रेलर लॉन्च पर रेड कलर की साड़ी पहने नजर आईं। शादी के सवाल पर एक्ट्रेस ने दिलचस्प जवाब दिया। बता दें कि जून में उन्होंने अपना रिलेशनशिप पब्लिक कर दिया था। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि एक्ट्रेस भी जल्द शादी का ऐलान कर सकती हैं। इवेंट में श्रद्धा से सवाल पूछा गया कि क्या वो राहुल मोदी से शादी करने जा रही हैं। सवाल के जवाब में श्रद्धा ने हंसते हुए कहा, वो स्त्री है, जब उसका मन होगा वो तब शादी करेगा।

श्रद्धा कपूर की स्त्री-2 की बात करें तो यह फिल्म 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होने वाली हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया और अभिषेक बैनर्जी नजर आने वाले हैं। स्त्री के पहले पार्ट को 30 करोड़ के बजट में बनाया गया था जिसने भारत में 129.83 करोड़ की कमाई की थी। अब फैंस फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अजब-गजब | गद्दारी करने वालों को मारकर कुत्तों को खिला देता था यह राजा

ये था दुनिया का सबसे खूंखार राजा

दुनिया में कई खतरनाक राजा हुए, जिन्होंने अपनी प्रजा को बहुत प्रताड़ित किया, अपने दुश्मनों को मौत के घाट उतारा और उनके साथ इतना बुरा सुलूक किया कि जो भी उसके बारे में सुनता है, हैरान रह जाता है। कौन सबसे ज्यादा खतरनाक और खूंखार था, ये तो अलग-अलग लोगों की राय पर निर्भर करता है, हालांकि, रूस के लोग तो अपने यहां के एक राजा को ही दुनिया का सबसे खतरनाक और खूंखार राजा मानते हैं। 16वीं सदी में हुए इस राजा का नाम ईवान था पर इतिहास उसे भयानक ईवान के नाम से याद रखता है। उसके समय से करीब 450 साल बाद, अब वैज्ञानिकों पता चल गया है कि वो असल में कैसा दिखता होगा।

वैज्ञानिकों ने रूस के सबसे खतरनाक तानाशाह के नाम को चेहरा दे दिया है। ब्राजीलियन ग्राफिक डिजाइनर सिसेरो मोरेस ने ये कारनामा कर दिखाया है। उन्होंने पहले भी इतिहास के कई बड़े नामों के चेहरे को ग्राफिक्स से क्रिएट किया था। ईवान की मौत 440 साल पहले 1584 में हुई थी। उसके लिए एक बात चर्चित है कि उसने 1581 में अपने ही बेटे की गुस्से में जान ले ली थी। इसके अलावा वो गद्दारों को मारकर कुत्तों को खिला देता था।

सिसेरो ने इस चेहरे को बनाने के लिए ईवान पर मौजूद तमाम डेटा को बटोरा और उसे साथ लेकर आए। सोवियत रिसर्चर मिखायल गेरासिमोव ने 1963 में ईवान की कब्र की खुदाई की थी। सिसेरो ने इस खुदाई से मिले तथ्यों के आधार चेहरे को बनाया। मिखायल की रिसर्च के अनुसार ईवान जरूरत से ज्यादा खाता रहा होगा और शराब का भी काफी सेवन करता रहा होगा। इसकी वजह से जीवन के आखिरी दिनों में उसका स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ गया होगा। शोध में उसके शरीर में पारा काफी ज्यादा मात्रा में पाया गया था। तब शोधकर्ताओं ने दावा किया कि या तो उसे जहर दिया गया होगा, या फिर उस वक्त पारा का इस्तेमाल इलाज के लिए किया जाता होगा, इस वजह से उसके शरीर में पारा था। उसके लिए कहा जाता है कि जब वो कम उम्र का था, तब वो लंबा, चौड़ी छाती वाला, खूबसूरत बालों वाला और आकर्षक चेहरे वाला था। ऐसी तमाम जानकारियों की मदद से सिसेरो ने ईवान का चेहरा ग्राफिक्स की मदद से डिजाइन किया।

आपको बता दें कि ईवान ने ही मॉस्को के वर्ल्ड फेमस सेंट बेसिल कथीड्रल को बनाने का निर्देश दिया था। कहते हैं कि चर्च के आर्किटेक्ट पॉस्टनिक याकोवेलेव को उसने निर्माण के बाद अंधा कर दिया था जिससे वो दोबारा ऐसे खूबसूरत डिजाइन न बना पाए। डेली स्टार के मुताबिक ईवान ने पहली बार रूस में ऑप्रिचनीना का गठन किया था। ये रूस की पहली सीक्रेट पुलिस फोर्स थी। इस फोर्स के माध्यम से उसने अपने राज्य के बाकी ऊंचे दर्जे वाले लोगों को प्रताड़ना दी जिससे उसके खिलाफ कभी कोई न खड़ा हो सके।

ये है सबसे अलग रहने वाली जनजाति दिखते ही दुनिया में दौड़ गई चिंता की लहर

ये तो आप जानते ही होंगे कि इंसानी विकास की शुरुआत से हम इंसान जंगलों में रहते थे, आदिवासी की जिंदगी बिताते थे। शिकार कर के खाना खाते थे। पर धीरे-धीरे विकास के साथ इंसान भी बेहतर होता चला गया। पर आज भी धरती पर ऐसे कई इलाके हैं, जहां पर आदिवासी अभी भी रहते हैं। ये जनजातियां आज भी आबादी से दूर, एकांत में रहना पसंद करते हैं। कई तो ऐसी भी जनजातियां हैं जिनसे आज तक संपर्क नहीं साधा जा सका है। हाल ही में ऐसी ही एक जनजाति के कुछ लोग अचानक ही जंगल से बाहर नदी के किनारे दिखे और कैमरे में कैद हो गए। उन्हें देखते ही दुनिया में चिंता की लहर दौड़ गई है, पर क्यों? ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन सर्वाइवल इंटरनेशनल ने हाल ही में एक वीडियो जारी किया है, जो पेरू में अमेजन के जंगलों के पास का है। इस वीडियो में करीब 50 आदिवासी नजर आ रहे हैं जो माशको पिरो जनजाति के लोग हैं। ये दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाली जनजाति है जिनसे संपर्क नहीं हुआ है। उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद चिंता इस वजह से बढ़ गई है क्योंकि ह्यूमन राइट्स संस्थाओं का कहना है कि ये जनजाति खत्म हो सकती है अगर तेजी से जंगलों का साफ किया गया। FENAMAD, स्थानीय स्वदेशी अधिकार समूह की ओर से कहा गया है कि पेड़ काटने की वजह से ये जनजाति जंगलों से बाहर आकर खाना खोजने पर मजबूर हैं। धीरे-धीरे जनजाति, बस्तियों के पास आकर अपने लिए खाना खोजने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये तस्वीरें जून के अंत में ली गई थीं। पेरू के दक्षिण पूर्वी प्रांत, Madre de Dios में बहने वाली एक नदी के पास ये जनजाति देखी गई। ये इलाका ब्राजील से सटता है। सर्वाइवल इंटर्नेशनल की डायरेक्टर ने कहा है कि ये तस्वीरें दिखाती हैं कि माशको पिरो जनजाति की बड़ी आबादी उस जगह पर रहती है, जहां से कुछ ही कीलोमीटर दूर पेड़ काटने के लिए इजाजत दी गई है। हाल ही में इस जनजाति के कुछ लोग एक गांव के पास भी देखे गए थे। इससे पहले इस जनजाति के लोग बहुत कम देखे गए थे और बस्तियों से संपर्क नहीं करते थे। कई टिंबर कंपनियां इन इलाकों में पेड़ काटने का काम कर रही हैं।

धार्मिक उन्माद की राजनीति करती है बीजेपी : गहलोत

» राहुल पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी पर भड़के पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के राहुल गांधी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि भाजपा हमेशा धर्म की राजनीति करती रही है, परंतु भगवान के नाम पर जनता को गुमराह करना और नफरत फैलाना धर्म नहीं अधर्म है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में भाजपा ने देश में धार्मिक उन्माद बढ़ाने का काम बहुत सुनियोजित तरीके से किया।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों और विधानसभा चुनावों में अधिकांश धार्मिक नगरियों जैसे अयोध्या, चित्रकूट, सीतापुर, शिवगंगा, प्रयागराज, नासिक, रामटेक, बद्रीनाथ, श्रावस्ती, मंगलौर (जिला-हरिद्वार) में भाजपा की हार हुई है। यह जनता-जनार्दन का एक स्पष्ट संदेश है कि इस देश में धार्मिक उन्माद की राजनीति को स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधर्म की बात करने वालों पर विजय हमेशा धर्म की होगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने दौसा में राहुल गांधी का नाम लिए बिना बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने भाजपा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि वो गौ-मांस खाकर संसद में भगवान महादेव का चित्र लेकर आते हैं। हिंदू समाज इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। कोई हिंदू को

आतंकी और हिंसक कह देगा तो हम चुप नहीं बैठे रहेंगे। राम मंदिर का विरोध करने पर चुप नहीं बैठे रहेंगे।

राजस्थान में युवा कांग्रेस ने फूंका सीपी जोशी का पुतला

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर अजमेर में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा के नेतृत्व में बजरंगगढ़ चौराहे पर सीपी जोशी का पुतला जलाकर विरोध जताया और जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सीपी जोशी राहुल गांधी से माफी मांगें। अगर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो यूथ कांग्रेस प्रदेश भर में आंदोलन करेगी। इसके साथ ही अगर सीपी जोशी कभी अजमेर आएंगे तो उनको काले झंडे दिखाकर विरोध युवा कांग्रेस अपना विरोध जताएगी। इसकी समस्त जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी। जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी खुद शिवजी के भक्त हैं। वह मंदिरों में जाते रहते हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का बयान पूरी तरह गलत है।

फिर व्यापम घोटाले की तरह हो रहीं संदिग्ध मौतें : कमलनाथ

» मप्र की भाजपा सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मप्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस नेता व पूर्व सीएम ने सागर जिले के बरोदिया नौनगिर के दलित हत्याकांड की सबसे अहम गवाह अंजना अहिरवार की एम्बुलेंस से गिरने से हुई मौत मामले को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, मध्य प्रदेश भाजपा सरकार में जिस तरह व्यापम घोटाले से जुड़े सभी किरदारों की संदिग्ध मौतें हुई, उसी तरह अब सागर जिले के बरोदिया नौनगिर में दलित परिवार हत्याकांड के बाद उसके गवाहों की संदिग्ध मौत में नए खुलासे हो रहे हैं।

कमलनाथ ने कहा मीडिया रिपोर्ट में पीड़ितों ने इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वर्तमान विधायक भूपेंद्र सिंह का नाम लिया है। उन्होंने कहा है कि भूपेंद्र सिंह ने इस मामले में समझौते के लिए दो करोड़ का ऑफर दिया था, जिसे पीड़ित परिवार ने ठुकरा दिया और उसके बाद उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। पीड़ितों का कहना है कि एंबुलेंस से गिरकर कैसे मुख्य गवाह की मौत हो सकती है ? परिजनों ने मुख्य गवाह अंजना अहिरवार की हत्या का आरोप लगाया है और उसे भारतीय जनता पार्टी सरकार से जोड़ा है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि यह अत्यंत संवेदनशील मामला है, इसे दबाने की कोशिश करने के बजाय निष्पक्ष ढंग से षड्यंत्र उजागर होना चाहिए। इस तरह की घटनाएं प्रदेश के माथे पर कलंक हैं।

युवती के साथ छेड़छाड़ मामले में चल रही जांच

सागर जिले की घटना बीते साल जुलाई माह की है जहां आरोपी पक्ष के एक युवक ने पीड़ित पक्ष की युवती के साथ छेड़छाड़ की थी। जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई थी। इसी को लेकर आरोपी पक्ष गुस्सा था और पीड़ित पक्ष पर राजीनामा करने का दबाव बना रहा था। लेकिन जब पीड़ित पक्ष नहीं माना तो आरोपियों ने उसे पीटकर मार डाला। चाचा का शव लेकर जा रही भतीजी अंजना पुलिस की मौजूदगी में बीच रास्ते में अचानक एंबुलेंस से गिर गई जिससे उसकी भी मौत हो गई। मृतिका दलित लड़की के भाई को बीते साल बदमाशों ने सरेआम मौत के घाट उतार दिया था। बीते साल युवती से छेड़छाड़ का विरोध करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। बीच बचाव करने गई मां के साथ भी बर्बरता की गई थी।

गैर कानूनी तरीके से तोड़ी गईं झुग्गियां : भारद्वाज

» केंद्र पर बरसी आप, बोली- देंगे पक्का मकान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्रीय एजेंसियों पर अवैध तरीके से झुग्गी बस्तियों को तोड़ने का आरोप लगाया है। आप ने आरोप लगाया कि रेलवे विभाग ने दो दिन पहले अलग-अलग इलाकों में बसी कई झुग्गियों को तोड़ने का नोटिस लगा था। आप ने कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि डीयूएसआईबी विभाग इस मामले को लेकर कोर्ट पहुंचा, जहां झुग्गियों को तोड़ने के लिए जारी किए गए नोटिस पर स्टे लगा दिया है।

शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सरोजिनी नगर के समीप स्थित फ्लाइंग क्लब जेजे कैंप पहुंचे और झुग्गी बस्ती में रहने वाले लोगों से मुलाकात कर उन्हें स्टे की जानकारी दी। उन्होंने दावा करते हुए बताया कि रेलवे विभाग द्वारा फ्लाइंग क्लब जेजे कैंप, दिल्ली कैंट झुग्गी बस्ती, लोहा मंडी

झुग्गी बस्ती, राजीव गांधी कैंप, बुद्ध नगर व इन्द्रपुरी झुग्गी बस्ती आदि में इस प्रकार के नोटिस झुग्गी बस्तियों में चिपकाए गए थे। जबकि यह झुग्गी बस्तियां डूसिब विभाग में लिस्टेड झुग्गी बस्तियों में आती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते वर्ष भी विभिन्न जगहों पर केंद्र शासित एजेंसियों ने कई वर्षों से बसी झुग्गी बस्तियों को गैर कानूनी तरीके से तोड़ दिया गया था। दिल्ली सरकार झुग्गी बस्ती वालों के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी।

सत्ता में बैठे लोगों को किसानों की कोई चिंता नहीं : शरद पवार

» बोले- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहें लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरदपवार ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को किसानों या खेती की कोई चिंता नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्याज और गन्ने का उत्पादन करने वाले किसान अपनी फसल का उचित मूल्य न मिलने के कारण परेशान हैं। पुणे से करीब 120 किलोमीटर दूर अहमदनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए पवार ने लोगों से राज्य विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने लोकसभा चुनावों में एक अच्छा काम किया है। पवार ने दावा किया, प्याज का उत्पादन करने वाले किसान परेशान हैं क्योंकि सत्ता में बैठे लोग उन्हें सही कीमत देने को तैयार नहीं हैं। (लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नासिक में थे। इस दौरान एक किसान ने खड़े होकर कहा कि प्रधानमंत्री के पास दुनिया की बातें करने के लिए बहुत समय है। किसान ने प्रधानमंत्री से टमाटर की फसल की उचित कीमत देने के लिए कहा, लेकिन इसी बीच पुलिस किसान को वहां से ले गई। पवार ने कहा, आज गन्ना उत्पादक परेशान हैं क्योंकि वे अतिरिक्त चीनी का निर्यात नहीं कर सकते। इससे पता चलता है कि सत्ता में बैठे लोगों को खेती या किसानों की कोई चिंता नहीं है।

भारतीय महिलाओं ने पाकिस्तान को किया पस्त

» एशिया कप के पहले ही मैच में धमाकेदार आगाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दांबुला। गत चैम्पियन भारत ने गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से महिला टी20 एशिया कप अपने पहले मैच में पाकिस्तानी टीम को सात विकेट से हरा दिया। अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन फील्डिंग की बदौलत पाकिस्तान को 19.2 ओवर में महज 108 रन पर समेटने के बाद भारत ने तीन विकेट पर 109 रन बनाकर जीत दर्ज की।

भारतीय गेंदबाजों में पूजा वस्त्राकर और रेणुका सिंह ने पाकिस्तान को शुरूआती झटके देते हुए दो दो विकेट लिए। दीप्ति शर्मा ने 20 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। टीम इंडिया के लिए श्रेयंका पाटिल को भी दो

विकेट लिए। बॉलिंग में धमाल मचाने के बाद टीम इंडिया के गेंदबाजों ने भी कहर बरपाया। बता दें कि वीमेंस एशिया कप 2024 में टीम इंडिया का पहला मैच पाकिस्तान से हो रहा है। इसके बाद उसका मुकाबला यूएई से होगा। टीम इंडिया और नेपाल के बीच 23 जुलाई को मैच खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल 26 जुलाई को खेला जाएगी। इसी दिन दूसरा सेमीफाइनल भी आयोजित होगा। वीमेंस एशिया कप का फाइनल मैच 28 जुलाई को खेला जाएगा।

शेफाली-मंधाना की उम्दा साझेदारी

ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा (40 रन) और स्मृति मंधाना (45 रन) बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 85 रन की साझेदारी से यह लक्ष्य महज 14.1 ओवर में हासिल कर लिया। शेफाली (29 गेंद, छह चौके, एक छक्का) ने पहले ही ओवर में सादिया इकबाल पर स्क्वायर लेग में शानदार चौका जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिए और फिर इसी गेंदबाज के दूसरे ओवर में मिडविकेट और एक्स्ट्रा कवर पर दो चौके और जड़े।

वाल्मीकि निगम घोटाले पर कर्नाटक में सियासी बवाल

» नागेंद्र पर दबाव बना रही ईडी : सिद्धारमैया

» सीएम बोले- एजेंसी कुछ लोगों का नाम लेने को कह रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति निगम घोटाले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र पर कुछ लोगों का नाम लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है। सिद्धरमैया ने एक कहा, ''हमें सीबीआई से कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। हमारे पास जानकारी है कि उन पर (नागेंद्र) पर फलां-फलां लोगों का नाम लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि सीबीआई अपने स्तर पर इसकी जांच कर रही है। दरअसल, बैंक के उपमहाप्रबंधक महेश जे ने तीन जून को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी। अनियमितताओं पर उनके इस्तीफे की भाजपा की मांग के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरमैया ने जवाबी सवाल किया, ''बैंक किसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। क्या उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए?''

सीबीआई स्वतः संज्ञान से जांच कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा, ''सीबीआई 'स्वतःसंज्ञान' से जांच कर रही है। मैं इस बात को रेखांकित कर रहा हूं। ईडी ने वाल्मीकि निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दाल और नागेंद्र के घर पर छापेमारी की। एजेंसी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया और नागेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।'' उन्होंने कहा कि सुसाइड नोट में केवल तीन लोगों के नाम हैं जिनमें वाल्मीकि निगम के प्रबंध निदेशक जे जी पद्मनाभ, अकाउंटेंट परशुराम दुर्गान्नावर और बेंगलुरु स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की एमजी रोड शाखा में मुख्य प्रबंधक एस राहुल शामिल हैं। चन्द्रशेखरन की पत्नी कविता ने भी अपनी शिकायत में तीनों का नाम लिया।

बीजेपी सत्ता में थी तब क्यों मौन थी

वहीं, इस सवाल पर कि क्या यह 'केंद्र और राज्य का संयुक्त घोटाला' है, उन्होंने इसे खारिज किया। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में इस तरह का मामला कभी नहीं देखा है। भाजपा की सीबीआई जांच की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि एक समय उसके नेता इसे ''चोर बचाओ संस्थान'' (सीबीआई) कहते थे। उन्होंने कहा, ''जब आप सत्ता में थे तो आपने कभी भी मामला सीबीआई को नहीं दिया। मुझे अपनी पुलिस पर भरोसा है। सीबीआई का प्रवेश हो चुका है। ईडी अपना काम कर रही है। एसआईटी भी इसकी जांच कर रही है।

यूपीएससी अध्यक्ष मनोज सोनी ने दिया इस्तीफा

» बोले- निजी कारणों से छोड़ रहा पद, मई 2029 में समाप्त होना था कार्यकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष मनोज सोनी ने ''निजी कारणों'' का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सोनी का कार्यकाल मई 2029 में समाप्त होना था। सूत्रों ने कहा कि सोनी के इस्तीफे का परिवीक्षाधीन आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी पूजा खेडकर का मामला सामने आने के बाद ''संघ लोक सेवा आयोग पर उठ रहे सवालों से कोई लेना-देना नहीं है।''

एक सूत्र ने कहा, ''यूपीएससी अध्यक्ष ने निजी कारणों का हवाला देते हुए एक पखवाड़े पहले इस्तीफा सौंप दिया था। इसे अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है।'' प्रख्यात शिक्षाविद् सोनी (59) ने 28 जून, 2017 को आयोग के सदस्य के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने 16 मई, 2023 को यूपीएससी अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी और उनका कार्यकाल 15 मई, 2029 को समाप्त होना था। सूत्रों के मुताबिक, सोनी यूपीएससी अध्यक्ष बनने के इच्छुक नहीं थे और उन्होंने पद से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था, लेकिन तब उनका अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि सोनी अब ''सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों'' पर अधिक समय देना चाहते हैं।

विवादित आईएएस पूजा खेडकर के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी

यह घटनाक्रम इसलिए महत्व रखता है, क्योंकि यूपीएससी ने कहा था कि उसने परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ कई कार्रवाई शुरू की हैं, जिनमें फर्जी पहचान दस्तावेज के जरिये सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के अधिक मौके पाने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना शामिल है। आयोग ने कदाचार के आरोपों की 'गहन जांच' के बाद खेडकर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। उसने सिविल सेवा परीक्षा-2022 के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं में शामिल होने से रोकने के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया।

फोटो: 4पीएम

शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुकरैल नदी तट पर स्थित सौमित्र वन में पौधरोपण कर पौधरोपण जन अभियान-2024 का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत प्रदेश भर में 36.50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

बीजापुर के उसूर में नक्सली मुठभेड़, एक मरा

» तेलंगाना के ग्रेहाउंड्स के जवानों ने की कार्रवाई, कई घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर (छत्तीसगढ़)। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक सेमलडोडी के जंगल में तेलंगाना की ग्रेहाउंड्स फोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने की खबर है। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की भी जानकारी मिल रही है। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक सेमलडोडी के जंगल में तेलंगाना की ग्रेहाउंड्स फोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने की खबर है। मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की भी जानकारी मिल रही है।

हालांकि अब तक एक नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किया गया है। घटना की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के ग्राम सेमलडोडी के जंगल में तेलंगाना की ग्रेहाउंड्स फोर्स और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ होने की खबर है। इस मुठभेड़ में ग्रेहाउंड्स के जवानों ने कई नक्सलियों को मार गिराया है। लेकिन घटना स्थल से अब तक फिलहाल एक नक्सली का शव और एक हथियार बरामद किये जाने की खबर है।

फिलहाल इस घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बता दें कि छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सरहद पर उसूर ब्लॉक का सेमलडोडी गांव पड़ता है।

झोपड़ी में घुसा डंपर, दंपती और दो बच्चों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या हाईवे पर बीबीडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हुआ। मौरंग लदा डंपर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे एक झोपड़ी में घुस गया। झोपड़ी में सो रहे दंपती और उनके दो बच्चों को रौंद दिया। चारों की मौके पर मौत हो गई। महिला आठ माह की गर्भवती थी। दंपती की एक सात साल की बेटी बाल-बाल बची। बाराबंकी के जैतपुर निवासी उमेश (35) टाइल्स कारीगर थे। वह अयोध्या हाईवे किनारे झोपड़ी डालकर पत्नी नीलम (32) देवी, बेटे गोलू (4), सनी(13) और बेटी वैष्णवी के साथ रहते थे।

बीती रात पूरा परिवार झोपड़ी में सो रहा था। रात करीब एक बजे एक डंपर अनियंत्रित होकर झोपड़ी में घुस गया। हादसे में उमेश, नीलम, गोलू और सनी की मौत हो गई। केवल वैष्णवी बची। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

» लखनऊ में बड़ा हादसा, महिला आठ माह की थी गर्भवती

डंपर चालक को गिरफ्तार किया। नीलम आठ माह की गर्भवती थीं। उनके भतीजे धरम सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है।

बिहार में तीन लोगों को तेज रफ्तार कार ने कुचला, दो की मौत

सहरसा में भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर है। घटना पतरघट थाना क्षेत्र के पतरघट-मधेपुरा मुख्य मार्ग स्थित विशनपुर की है। इधर, घटना के विरोध में शनिवार की सुबह दोनो शव के साथ लोगों ने विरोध में सड़क जामकर आवागमन बंद कर दिया है। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुटी गई। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। लोगों का कहना है कि विशनपुर-चिमनी के समीप शुक्रवार की देर रात मध्य रात्रि अनियंत्रित तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने सड़क किनारे बैठे स्थानीय निवासी तीन युवक को कुचल दिया। आननफानन में सभी को अस्पताल ले जाया गया। जहा दो युवक को चिकित्सक ने अस्पताल पहुंचने के बाद मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक जीतन कुमार का इलाज चल रहा है लेकिन उसका भी स्थिति गंभीर है। परिजनों ने पहले मधेपुरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से बेहतर इलाज के लिए सहरसा स्थित निजी अस्पताल भेजा। वहां से भी उसे पटना रेफर करने की बात कही जा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।